AE-1068

B.A. (Part - II)
Term End Examination, 2016-17

SANSKRIT LITERATURE

Paper - II

पद्य तथा साहित्येतिहास

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : सुवाच्य अक्षरों में **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई-I

1. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 15

(*i*) निवर्त्य राजा दयितां दयालुस्तां सौरभेयीं सुरभिर्यशोभिः।
पयोधरीभूतचतुःसमुद्रां जुगोप गोरूपधरा-
मिवोर्वीम्॥

(*ii*) पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन प्रत्युद्गता पार्थिवधर्मपत्न्या।

तदन्तरे सा विरराज धेनुर्दिनक्षपामध्यगतेव संध्या॥

(*iii*) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवंवयः कान्तमिदं वपुश्च।

अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छन् विचारमूढः प्रतिभासि मे त्वम्॥

(*iv*) किमप्यहिंस्यस्तव चेन्मतोऽहं यशःशरीरे भव मे दयालुः।

एकान्तविध्वंसिषु मद्विधानां पिण्डेष्वनास्था खलु भौतिकेषु॥

(ख) निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 10

व्रताय तेनानुचरेण धेनोर्न्यषेधि शेषोऽप्यनुया-यिवर्गः।

न चान्यतस्तस्य शरीररक्षा स्ववीर्यगुप्ता हि मनोः प्रसूतिः॥

अथवा

स्थितः सिथतामुच्चलितः प्रयातां निषेदुषीमासनबन्धधीरः।

जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां भूपतिरन्वगच्छत्॥

इकाई-II

2. 'रघुवंश' द्वितीय सर्ग के आधार पर राजा दिलीप की गो-सेवा का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

'रघुवंश' के आधार पर रघुवंशी राजाओं के गुणों का वर्णन कीजिए।

इकाई-III

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 20

(क) प्रसह्य मणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्ट्रान्तरात्,
समुद्रमपि सन्तरेत्प्रचलदूर्मिमालाकुलम्।
भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पनद् धारयेत्,
न तु प्रतिनिविष्ट मूर्खजनचित्तमाराधयेत्॥

(ख) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारान
चन्द्रोज्जवलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता
मूर्धजाः।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता
धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं
भूषणम्॥

(ग) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः
पुच्छविषाणहीनः।
तृणन्न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयंपरमं
पशूनाम्॥

(घ) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः,
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नै पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः,
प्रारभ्य चोत्तमजना न परित्यजन्ति॥

इकाई-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यों का परिचय दीजिए : 10

(क) शिशुपालवधम्

(ख) नैषधीयचरितम्

(ग) कादम्बरी

(घ) दशकुमारचरितम्

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(क) ऋतुसंहार (ख) गीतगोविन्द

(ग) शतकत्रय (घ) पञ्चतन्त्र

(ङ) नलचम्पू (च) इक्षुगन्धा